

भोपाल स्थिति ग्लोबल स्कलि पार्क का नाम संत शरिमण रिवदिस जी महाराज

चर्चा में क्यों?

16 फरवरी, 2022 को संत रवदिस जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सहि चौहान ने भोपाल में बनने वाले ग्लोबल स्कलि पार्क का नाम संत शरिमण रिवदिस जी महाराज के नाम पर रखने की घोषणा की इस अवसर पर उन्होंने कई कार्यक्रमों और योजनाओं की घोषणा की।

प्रमुख बदि

- भोपाल में स्थापित होने वाले ग्लोबल स्कलि पार्क में युवा वभिनिन वधियों में प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्म-नरिभर हो सकेंगे।
- मुख्यमंत्री शिवराज सहि चौहान ने युवाओं को रोजगार देने के लिये संत रवदिस स्व-रोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना और मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना तथा वित्त पोषण योजना आरंभ करने की घोषणा की।
- मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले के अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में संत रवदिस सामुदायिक भवनों का निर्माण किया जाएगा। इससे सार्वजनिक कार्यक्रम व्यवस्थित हो सकेंगे।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला मुख्यालय पर संत रवदिस जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।
- संत रवदिस (रैदास) का जन्म काशी में माघ पूर्णमा को हुआ था। इसलिये प्रतर्विष माघ महीने की पूर्णमा तिथि पर संत रवदिस की जयंती मनाई जाती है।
- इनके पिता का नाम रघु तथा माता का नाम धरवनिथि था जबकि पित्नी का नाम लोना बताया जाता है।
- इनके माता-पिता एक चर्मकार थे। आजीविका के लिये अपने पैतृक कार्य को अपनाने के बावजूद ये हमेशा भगवान की भक्ति में लीन रहे।
- कबीर के बाद रवदिस संत रामानंद के शिष्यों में अत्यधिक प्रसिद्ध हुए।
- इनके पद्य सकिखों के पवतिर ग्रंथ 'गुरुग्रंथ साहबि' में संगृहीत हैं।
- संत रवदिस जी की वाणी सारग्रंथि, अनूठी और प्रभावशाली थी। उन्होंने शर्म के महत्त्व, समानता, असहायों की सेवा के लिये जन-जन को प्रेरित किया।
- मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति विरग के युवाओं को रोजगार के लिये विशेष पहल की गई है। संत रवदिस स्व-रोजगार योजना में अनुसूचित जाति विरग के युवाओं को मैनयुफेक्चरिंग इकाई की स्थापना के लिये एक लाख से 50 लाख रुपए तक की ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। परियोजना के लिये 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा।
- इसी प्रकार सर्वसि सेक्टर और रटिल ट्रेड के लिये भी योजना में एक लाख से 25 लाख तक ऋण की व्यवस्था होगी। योजना का संचालन मध्य प्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास नगिम के माध्यम से किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना में अनुसूचित जाति विरग के युवाओं को स्व-रोजगार, कौशल उन्नयन, संवर्धन और नवाचार के लिये दो करोड़ रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा।
- अनुसूचित जाति विरग के हतिग्राहियों के पूर्व से स्थापित सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों को कम लागत के उपकरण या कार्यशील पूंजी के लिये एक लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना आरंभ की जा रही है। योजनाओं का संचालन मध्य प्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास नगिम के माध्यम से किया जाएगा।